चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 17 अप्रैल 2026, अंक –260.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

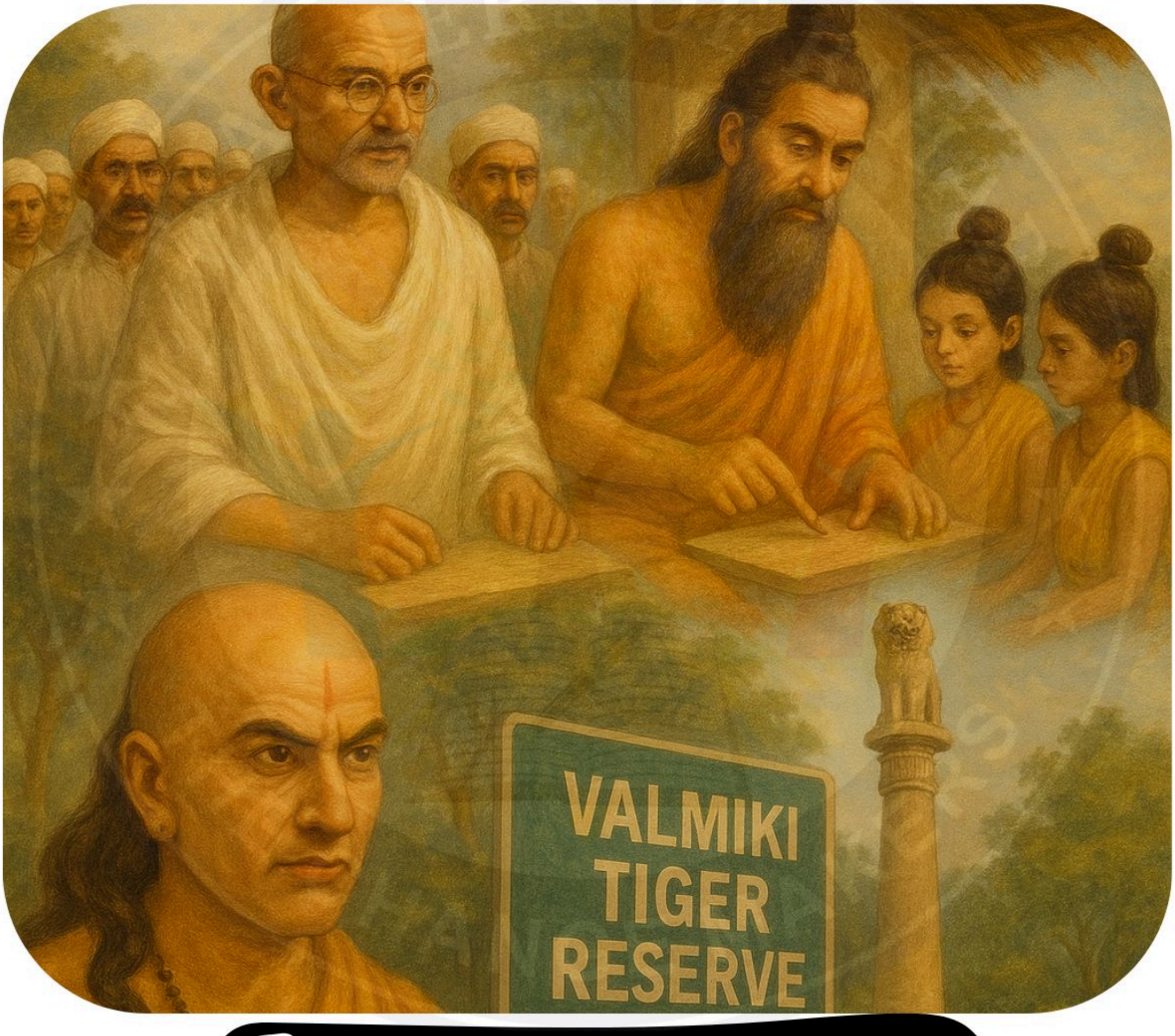

"जीवन लंबा होने के बजाय महान होना चाहिए।"

-डॉ. BR Ambedkar

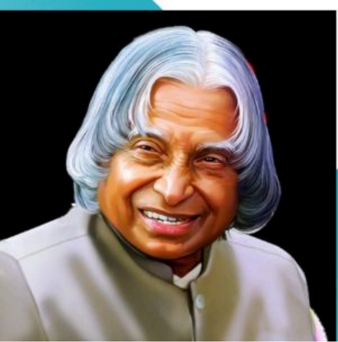

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Friday Prayer

लब पे आती है दुआ बनके तमन्ना मेरी,
जिंदगी शम्मे की सूरत हो खुदाया मेरी।

हो मेरे दम से यूं ही मेरे वतन की ज़ीनत,
जिस तरह फूल से होती है चमन की ज़ीनत।

जिंदगी हो मेरी परवान की सूरत या रब,
इल्म की शम्मा से हो मुझको मोहब्बत या रब।

हो मेरा काम ग़रीबों की हिमायत करना,
दर्दमंदों से जइफों से मोहब्बत करना।

मेरे अल्लाह बुराई से बचना मुझको,
नेक जो राह हो उस रह पे चलाना मुझको।

-मोहम्मद आलम इक़बाल

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणा: शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

अनुभाग-2

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1: 'ब्राजील' की राजधानी कहाँ है?
उत्तर: ब्रासीलिया (Brasília)
प्रश्न 2: क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व का दूसरा सबसे बड़ा देश कौन सा है?
उत्तर: कनाडा (रूस के बाद)
प्रश्न 3: 'घूमर' किस राज्य का सबसे प्रसिद्ध पारंपरिक लोक नृत्य है?
उत्तर: राजस्थान
प्रश्न 4: एक 'समबाहु त्रिभुज' (Equilateral Triangle) का प्रत्येक कोण कितने डिग्री का होता है?
उत्तर: 60° (तीनों कोणों का योग 180° होता है)
प्रश्न 5: बिहार के किस जिले को 'मखना' (Fox Nut) के उत्पादन के लिए 'जीआई टैग' (GI Tag) प्राप्त है?
उत्तर: मधुबनी (मिथिला मखाना)
प्रश्न 6: पेरियार राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: केरल
प्रश्न 7: 'रेडियम' (Radium) की खोज करने वाली महान महिला वैज्ञानिक कौन थीं?
उत्तर: मैडम क्यूरी (Marie Curie)
प्रश्न 8: भारत के संविधान में 'पंचायती राज' व्यवस्था किस संविधान संशोधन के द्वारा जोड़ी गई?
उत्तर: 73वाँ संविधान संशोधन (1992)
प्रश्न 9: '‘राम’ शब्द किस प्रकार की संज्ञा है?
उत्तर: व्यक्तिवाचक संज्ञा
प्रश्न 10: प्रकाश की गति (Speed of Light) निर्वात में लगभग कितनी होती है?
उत्तर: 3,00,000 किलोमीटर प्रति सेकंड

संकलन:-
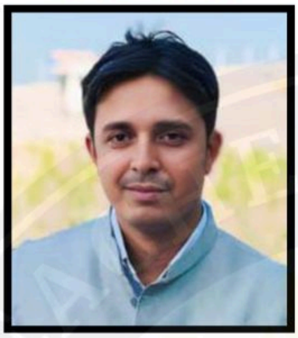
पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1. Cook – (कुक) – पकाना / खाना बनाना
2. Draw – (ड्रॉ) – चित्र बनाना
3. Paint – (पेंट) – रंग भरना / चित्र बनाना
4. Sing – (सिंग) – गाना
5. Dance – (डान्स) – नाचना
6. Swim -(स्विम)- तैरना

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: “तुम ... नहीं हो” (You are not ...)

तुम खुश नहीं हो। – You are not happy.
तुम ठीक नहीं हो। – You are not fine.
तुम तैयार नहीं हो। – You are not ready.
तुम व्यस्त नहीं हो। – You are not busy.
तुम सुरक्षित नहीं हो। – You are not safe.

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटाहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. आज 17 अप्रैल को 'विश्व हीमोफीलिया दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस किस प्रकार की बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए समर्पित है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: आनुवंशिक रक्त स्राव विकार (Genetic Bleeding Disorder)
व्याख्या: हीमोफीलिया एक दुर्लभ आनुवंशिक बीमारी है जिसमें रक्त का थक्का (Clot) ठीक से नहीं जमता, जिससे चोट लगने पर अत्यधिक रक्त स्राव होता है। यह दिवस विश्व हीमोफीलिया फेडरेशन के संस्थापक फ्रैंक श्नाबेल के जन्मदिन के सम्मान में मनाया जाता है। स्वास्थ्य के प्रति यह सजगता छात्रों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने में मदद करती है।
संदर्भ: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) कैलेंडर 2026।

2. हाल ही में भारत ने किस देश के साथ "INDUS-X" रक्षा नवाचार साझेदारी शुरू की? (समसामयिकी)
उत्तर: अमेरिका
व्याख्या: भारत और अमेरिका के बीच "INDUS-X" पहल रक्षा नवाचार और प्रौद्योगिकी सहयोग को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई है। इसका उद्देश्य स्टार्टअप्स, उद्योगों और अनुसंधान संस्थानों के बीच सहयोग बढ़ाना है, जिससे रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और उन्नत तकनीकी विकास सुनिश्चित हो सके।
संदर्भ: PIB India (2025-26)

3. "The India Story" पुस्तक के लेखक कौन हैं? (पुस्तक-लेखक)
उत्तर: बिमल जलान
व्याख्या: "The India Story" पुस्तक के लेखक बिमल जलान हैं, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास, सुधारों और नीतिगत परिवर्तनों का विश्लेषण प्रस्तुत करते हैं। यह पुस्तक भारत की आर्थिक यात्रा, वैश्विक स्थिति और भविष्य की संभावनाओं को सरल और विश्लेषणात्मक रूप में समझाने का प्रयास करती है।
संदर्भ: Penguin Publications

4. 'पारिस्थितिकी तंत्र' में ऊर्जा का प्रवाह हमेशा किस दिशा में होता है? (पर्यावरण)
उत्तर: एकदिशीय (Unidirectional)
व्याख्या: पारिस्थितिकी तंत्र में ऊर्जा हमेशा सूर्य से उत्पादक (पौधे) और फिर उपभोक्ताओं की ओर बहती है। ऊर्जा कभी भी वापस उल्टी दिशा में (उपभोक्ता से उत्पादक की ओर) नहीं जाती। यह नियम ऊर्जा के संरक्षण और पारिस्थितिक संतुलन को समझने का आधार है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 10 विज्ञान, अध्याय 15 (हमारा पर्यावरण), पृष्ठ 258।

5. प्राचीन भारत के किस पुरास्थल से 'अग्निकुंड' (Fire Altars) के साक्ष्य मिले हैं, जो उस समय के धार्मिक अनुष्ठानों को दर्शाते हैं? (इतिहास)
उत्तर: कालीबंगा और लोथल
व्याख्या: हड़प्पा सभ्यता के इन दो प्रमुख नगरों से ईंटों के बने हुए अग्निकुंड प्राप्त हुए हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि यहाँ के निवासी यज्ञ और अन्य अनुष्ठानिक क्रियाओं में विश्वास रखते थे। कालीबंगा वर्तमान राजस्थान में और लोथल गुजरात में स्थित है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 6 इतिहास, अध्याय 3 (आरंभिक नगर), पृष्ठ 28।

"सामान्य-ज्ञान"

6. पृथ्वी के किस भाग को “जीवमंडल” कहा जाता है? (भूगोल)
उत्तर: जैवमंडल
व्याख्या: जैवमंडल पृथ्वी का वह क्षेत्र है जहाँ जीवन संभव है। इसमें स्थलमंडल, जलमंडल और वायुमंडल के वे भाग शामिल होते हैं जहाँ जीव-जंतु और पौधे पाए जाते हैं। यह जीवन के लिए आवश्यक सभी तत्वों का संयोजन है और पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
संदर्भ: NCERT Class 7 Geography, Ch 1, p. 5

7. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में 'बाल श्रम का निषेध' (Prohibition of Child Labour) किया गया है? (संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 24
व्याख्या: अनुच्छेद 24 के अनुसार, 14 वर्ष से कम आयु के किसी भी बच्चे को किसी कारखाने, खान या अन्य जोखिम भरे काम में नियुक्त नहीं किया जा सकता। यह शोषण के विरुद्ध अधिकार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो बच्चों के सुनहरे भविष्य और शिक्षा के अधिकार की रक्षा करता है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 11 राजनीति विज्ञान, अध्याय 2, पृष्ठ 37।

8. वैसी रासायनिक अभिक्रिया जिसमें किसी पदार्थ में 'हाइड्रोजन' जुड़ती है, क्या कहलाती है? (विज्ञान)
उत्तर: अपचयन (Reduction)
व्याख्या: किसी पदार्थ में हाइड्रोजन का योग (जुड़ना) या ऑक्सीजन का ह्रास (निकलना) 'अपचयन' कहलाता है। इसके ठीक विपरीत प्रक्रिया को 'उपचयन' (Oxidation) कहते हैं। धातुओं के निष्कर्षण और कई जैविक प्रक्रियाओं में अपचयन की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 10 विज्ञान, अध्याय 1, पृष्ठ 12।

9. विश्व प्रसिद्ध 'महाबोधि मंदिर' (बोधगया) को यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में किस वर्ष शामिल किया गया था? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: 2002
व्याख्या: बोधगया स्थित यह मंदिर उस स्थान को चिह्नित करता है जहाँ महात्मा बुद्ध ने ज्ञान प्राप्त किया था। यह ईंटों से निर्मित सबसे पुराने बौद्ध मंदिरों में से एक है। इसकी स्थापत्य शैली और आध्यात्मिक महत्व इसे पूरी दुनिया के लिए एक पवित्र स्थल बनाता है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 11 (Fine Arts) भारतीय कला का परिचय, अध्याय 4।

10. बिहार के किस जिले में 'विक्रमशिला सेतु' स्थित है, जो गंगा नदी पर बना एक प्रमुख और विशाल पुल है? (बिहार GK)
उत्तर: भागलपुर
व्याख्या: भागलपुर में गंगा नदी पर बना यह सेतु उत्तर और दक्षिण बिहार को जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी है। यह डॉल्फिन अभ्यारण्य के पास स्थित है और क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों व परिवहन को सुगम बनाता है। यह बिहार की आधुनिक इंजीनियरिंग संरचनाओं का एक प्रमुख उदाहरण है।
संदर्भ: बिहार पर्यटन विभाग; SCERT बिहार कक्षा 9 भूगोल।

"सामान्य-ज्ञान"

11. सुरक्षित शनिवार (अप्रैल W2): विद्यालय में जोखिमों की पहचान (Hazard Hunt) के उपरांत चिह्नित खतरों के कुप्रभाव को कम करने हेतु चर्चा कहाँ की जाती है? (विद्यालय सुरक्षा)
उत्तर: विद्यालय शिक्षा समिति की बैठक में
व्याख्या: सुरक्षित शनिवार के अंतर्गत बच्चों द्वारा विद्यालय परिसर में पहचाने गए खतरों (जैसे खुले तार, जर्जर छत) पर फोकल शिक्षक और विद्यालय शिक्षा समिति मिलकर समाधान निकालते हैं। इसके उपरांत एक ठोस 'विद्यालय आपदा प्रबंधन योजना' (SDMP) बनाई जाती है ताकि विद्यालय से घर तक बच्चे सुरक्षित रहें।
संदर्भ: मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम; सुरक्षित शनिवार वार्षिक सारणी।

12. 'पृथ्वी' का संबंध जो 'नीला' से है, वही संबंध 'मंगल' का किससे होगा? (मानसिक योग्यता)
उत्तर: लाल
व्याख्या: यह 'सादृश्यता' का प्रश्न है। जिस प्रकार अंतरिक्ष से देखने पर जल की उपस्थिति के कारण पृथ्वी 'नीली' दिखाई देती है, उसी प्रकार आयरन ऑक्साइड की अधिकता के कारण मंगल ग्रह 'लाल' दिखाई देता है। यह छात्रों के खगोलीय ज्ञान और तार्किक संबंध की परीक्षा लेता है।
संदर्भ: NTSE मानसिक योग्यता अभ्यास।

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण |

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Fathom (फैदम) = Understand (अंडरस्टैंड) = समझना (गहराई से)
Antonym – Misunderstand (मिसअंडरस्टैंड) = गलत समझना
Grudge (ग्रज) = Resentment (रिजेंटमेंट) = द्वेष / मनमुटाव
Antonym – Forgiveness (फॉरगिवनेस) = क्षमा
Hasty (हेस्टी) = Quick (क्विक) = जल्दबाज़
Antonym – Leisurely (लेज़रली) = धीरे / आराम से
Impeccable (इम्पेकबल) = Flawless (फ्लॉलेस) = निर्दोष
Antonym – Faulty (फॉल्टी) = दोषपूर्ण
Jargon (जार्गन) = Technical terms (टेक्निकल टर्म्स) = तकनीकी शब्दावली
Antonym – Simple language (सिम्पल लैंग्वेज) = सरल भाषा

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण |

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Prime Minister inaugurates 'Bharat-Vayu 2.0' monitoring network; India to deploy 10,000 advanced sensors for real-time AQI tracking.
प्रधानमंत्री ने 'भारत-वायु 2.0' निगरानी नेटवर्क का उद्घाटन किया; भारत वास्तविक समय में एक्यूआई (AQI) ट्रैकिंग के लिए 10,000 उन्नत सेंसर तैनात करेगा।

NCERT and Ministry of Earth Sciences launch 'Blue-Classroom' initiative to introduce Marine Biology in school curriculum.
एनसीईआरटी और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने स्कूली पाठ्यक्रम में समुद्री जीव विज्ञान (Marine Biology) को शामिल करने के लिए 'ब्लू-क्लासरूम' पहल की शुरुआत की।

ISRO successfully tests 'Deep Space Network-3' antenna in Karnataka; enhances communication range for upcoming Mars Orbiter Mission-2.
इसरो ने कर्नाटक में 'डीप स्पेस नेटवर्क-3' एंटीना का सफल परीक्षण किया; यह आगामी मंगलयान-2 (MOM-2) के लिए संचार सीमा को बढ़ाएगा।

INTERNATIONAL NEWS

United Nations declares 2027 as 'International Year of Sustainable Energy Storage'; emphasizes on non-lithium battery research.
संयुक्त राष्ट्र ने 2027 को 'सतत ऊर्जा भंडारण का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष' घोषित किया; गैर-लिथियम बैटरी अनुसंधान पर विशेष जोर।

BBC Report: Global Climate Summit concludes with 'Green Tech Transfer' pact; developed nations to share EV battery tech with Global South. बीबीसी रिपोर्ट: वैश्विक जलवायु शिखर सम्मेलन 'ग्रीन टेक ट्रांसफर' समझौते के साथ समाप्त; विकसित देश 'ग्लोबल साउथ' के साथ ईवी बैटरी तकनीक साझा करेंगे।

WHO issues global health alert on 'Z-Variant' of Respiratory Virus; launches unified vaccination protocol for 40 countries.
विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने श्वसन वायरस के 'Z-वेरिएंट' पर वैश्विक स्वास्थ्य अलर्ट जारी किया; 40 देशों के लिए एकीकृत टीकाकरण प्रोटोकॉल लॉन्च।

BIHAR NEWS

Bihar Government to establish 'State Education Technology Hub' in Muzaffarpur to facilitate SCERT-led digital content creation.
बिहार सरकार मुजफ्फरपुर में 'राज्य शिक्षा प्रौद्योगिकी हब' स्थापित करेगी, जो एससीईआरटी के नेतृत्व में डिजिटल सामग्री निर्माण की सुविधा प्रदान करेगा।

Indian Men’s Hockey Team wins 'Pro-League 2026' title defeating Netherlands 3-2 in the final at Bhubaneswar.
भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने भुवनेश्वर में खेले गए फाइनल में नीदरलैंड को 3-2 से हराकर 'प्रो-लीग 2026' का खिताब जीता।

SPORTS NEWS

Indian Men’s Hockey Team wins 'Pro-League 2026' title defeating Netherlands 3-2 in the final at Bhubaneswar.
भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने भुवनेश्वर में खेले गए फाइनल में नीदरलैंड को 3-2 से हराकर 'प्रो-लीग 2026' का खिताब जीता।

Ministry of Sports grants 'National Excellence' status to 10 Private Sports Academies to fast-track training for 2028 Olympics.
खेल मंत्रालय ने 2028 ओलंपिक के प्रशिक्षण में तेजी लाने के लिए 10 निजी खेल अकादमियों को 'राष्ट्रीय उत्कृष्टता' का दर्जा प्रदान किया।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍ संदेश:

"करेंट अफेयर्स का नियमित अध्ययन ही प्रतियोगी सफलता की सबसे मजबूत नींव है।"

अनुभाग-6

प्रेरक कहानी

"समझ से बढ़ती मानवता"

(हीमोफीलिया दिवस जागरूकता विशेष)

विद्यालय की प्रार्थना सभा में आज स्वास्थ्य जागरूकता और सहानुभूति पर चर्चा हो रही थी। सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे थे।
मैडम जी मंच पर आईं और बोलीं—
“बच्चों, कुछ बीमारियाँ ऐसी होती हैं जो बाहर से दिखाई नहीं देतीं, लेकिन उनमें सावधानी और समझ बहुत जरूरी होती है।”
फिर उन्होंने एक कहानी सुनाई—
कक्षा में एक छात्र था केशव। वह पढ़ाई में अच्छा था, लेकिन खेलते समय हमेशा थोड़ा सावधान रहता था। कुछ बच्चे उसे देखकर कहते—
“तुम इतना डरते क्यों हो?”
एक दिन खेल के दौरान केशव गिर गया और उसके हाथ से खून निकलने लगा। खून जल्दी रुक नहीं रहा था। सभी बच्चे घबरा गए।
तभी मैडम जी आईं और तुरंत प्राथमिक उपचार कराया। बाद में उन्होंने पूरी कक्षा को समझाया—
“केशव को हीमोफीलिया है। इसमें खून जल्दी नहीं रुकता, इसलिए उसे विशेष सावधानी की जरूरत होती है।”
बच्चों को अपनी गलती का एहसास हुआ। उन्होंने केशव से माफी मांगी और अब उसका मजाक उड़ाने के बजाय उसकी मदद करने लगे।
रवि ने कहा— “अब हम खेलते समय तुम्हारा ध्यान रखेंगे।”
धीरे-धीरे पूरी कक्षा में बदलाव आ गया। अब सभी बच्चे एक-दूसरे की स्थिति को समझने लगे और सहयोग करने लगे।
मैडम जी ने अंत में कहा—
“बच्चों, किसी की परेशानी पर हँसना आसान है, लेकिन उसे समझना और सहारा देना ही सच्ची मानवता है।”
सभा के अंत में सभी छात्रों ने संकल्प लिया—
“हम दूसरों की परिस्थिति को समझेंगे और हमेशा मदद के लिए तैयार रहेंगे।”

🌟 संदेश : “समझ और सहानुभूति से ही सच्ची मानवता बढ़ती है।”

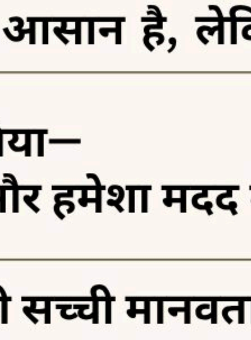

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

"शिक्षक संवर्धन"

"रूब्रिक (Rubric) आधारित मूल्यांकन का महत्व"

विद्यालयों में मूल्यांकन की प्रक्रिया को अधिक स्पष्ट, निष्पक्ष और प्रभावी बनाने के लिए रूब्रिक (Rubric) का उपयोग एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में उभरकर सामने आया है। सामान्यतः जब शिक्षक केवल अंक देकर बच्चों का मूल्यांकन करते हैं, तो यह स्पष्ट नहीं हो पाता कि बच्चे ने कहाँ अच्छा किया और कहाँ सुधार की आवश्यकता है। इसी समस्या के समाधान के रूप में रूब्रिक आधारित मूल्यांकन अपनाया जाता है।

रूब्रिक का अर्थ है—ऐसा पूर्व-निर्धारित मापदंड (Criteria), जिसके आधार पर किसी कार्य, गतिविधि या उत्तर का मूल्यांकन किया जाता है। इसमें विभिन्न स्तर (जैसे—उत्कृष्ट, अच्छा, संतोषजनक, सुधार की आवश्यकता) निर्धारित किए जाते हैं और प्रत्येक स्तर के लिए स्पष्ट विवरण दिया जाता है।

उदाहरण के लिए यदि बच्चों को "चित्र बनाना" या "अनुच्छेद लिखना" का कार्य दिया गया है, तो शिक्षक पहले से यह तय कर सकते हैं कि मूल्यांकन किन-किन आधारों पर होगा—जैसे विषय की समझ, प्रस्तुति, भाषा, रचनात्मकता आदि। इसके बाद प्रत्येक बिंदु के लिए अलग-अलग स्तर निर्धारित किए जाते हैं। इससे बच्चों को यह स्पष्ट हो जाता है कि उनसे क्या अपेक्षा की जा रही है।

रूब्रिक का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह मूल्यांकन को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाता है। जब मापदंड पहले से तय होते हैं, तो किसी भी प्रकार के पक्षपात की संभावना कम हो जाती है। साथ ही बच्चों को भी यह समझ में आता है कि उन्हें बेहतर करने के लिए किन बातों पर ध्यान देना चाहिए।

यह पद्धति केवल शिक्षक के लिए ही नहीं, बल्कि बच्चों के लिए भी बहुत उपयोगी है। बच्चे स्वयं भी अपने कार्य का आकलन कर सकते हैं, जिसे आत्म-मूल्यांकन (Self Assessment) कहा जाता है। इसके अलावा वे अपने सहपाठियों के कार्य का मूल्यांकन भी कर सकते हैं, जिसे सहपाठी मूल्यांकन (Peer Assessment) कहा जाता है। इससे बच्चों में जिम्मेदारी और आत्मविश्लेषण की भावना विकसित होती है।

"निपुण बिहार" और अन्य शैक्षिक पहल में भी इस प्रकार के मूल्यांकन को बढ़ावा दिया जा रहा है, ताकि बच्चों की सीखने की प्रक्रिया को अधिक स्पष्ट और प्रभावी बनाया जा सके।

हालाँकि यह ध्यान रखना आवश्यक है कि रूब्रिक बहुत जटिल न हो, बल्कि सरल और स्पष्ट हो, ताकि बच्चे आसानी से उसे समझ सकें। शिक्षक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि रूब्रिक का उद्देश्य बच्चों को सुधार की दिशा दिखाना हो, न कि केवल अंक देना।

अंततः कहा जा सकता है कि रूब्रिक आधारित मूल्यांकन सीखने को अधिक स्पष्ट, पारदर्शी और सुधारोन्मुख बनाता है। यह बच्चों को यह समझने में मदद करता है कि वे कहाँ खड़े हैं और उन्हें आगे क्या करना है। जब मूल्यांकन इस प्रकार किया जाता है, तो शिक्षा केवल परिणाम तक सीमित नहीं रहती, बल्कि सीखने की पूरी प्रक्रिया को बेहतर बनाने का माध्यम बन जाती है।

.................✍

मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

संडे पॉजिटिव — सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है।

एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छूट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

हिन्दुस्तान

स्कूली बच्चे देश दुनिया की खबरों से प्रत्येक दिन हो रहे रू-ब-रू

हि विशेष

- चेतना सत्र में बच्चों को दी जा रही जानकारी
- बगहा-2 प्रखंड के दर्जनों स्कूल में एचएम की पहल

बगहा,हमारे संवाददाता। बगहा-2 प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में इन दिनों पारंपरिक पढ़ाई के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षकों व प्रधानाध्यापकों की पहल पर एक दर्जन से अधिक स्कूलों में छात्रों को सामान्य ज्ञान और समसामयिक विषयों की जानकारी देकर उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया जा रहा है। चेतना सत्र को अब केवल प्रार्थना तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे ज्ञानवर्धक सत्र का रूप दे दिया गया है। प्रतिदिन सुबह चेतना सत्र के दौरान राष्ट्रगीत और प्रार्थना के साथ-साथ उस दिन की तिथि से जुड़ी ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जानकारियां भी विद्यार्थियों को दी जा रही हैं। इससे छात्रों का सामान्य ज्ञान बढ़ रहा है और वे विभिन्न विषयों के प्रति जागरूक हो रहे हैं। प्रधानाध्यापक दयाशंकर साह,

प्राथमिक विद्यालय पटेहरा में चेतना सत्र के दौरान बच्चों को जानकारी देतीं शिक्षिकाएं।

प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार, नीतू कुमारी सहित शिक्षको में पिंटू कुमार, शैलेश पासवान, तीरेन्द्र राम सहित दर्जनो ने बताया कि सरकारी विद्यालय किसी भी स्तर पर निजी विद्यालयो से बेहतर है। किताबी ज्ञान के साथ ही साथ व्यवहारिक, प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ समसामयिक ज्ञान से उनको रुबरु कराया जाता है। इसके अलावा चेतना सत्र में ही हर दिन एक साहित्यकार और उनके साहित्य के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। शिक्षक छात्रों को प्रमुख कवियों, लेखकों और उनके रचनात्मक योगदान के बारे में बताते हैं। शिक्षकों का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य छात्रों को सिर्फ पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर उन्हें व्यापक ज्ञान देना है, ताकि भविष्य में वे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।बगहा-2 प्रखंड के कई सरकारी विद्यालयों में चेतना सत्र को अधिक ज्ञानवर्धक और रोचक बनाने की पहल की जा रही है। यहां प्रतिदिन चेतना सत्र के दौरान छात्रों को एक सुविचार के साथ सामान्य ज्ञान के पांच प्रश्न भी पूछे जा रहे हैं। इसके अलावा शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को प्रेरणादायक कहानियां भी सुनाई जा रही हैं, जिससे उनमें नैतिक मूल्यों और सकारात्मक सोच का विकास हो सके। बगहा दो के बीईओ फूदन राम ने बताया कि चेतना सत्र के दौरान बच्चो को समसामयिक ज्ञान के साथ ही साथ कई जानकारियो से रुबरु कराया जाता है।

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 34

"(मैट्रिक के बाद – Carpentry (Wood Work Skill Course))"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपकी रुचि लकड़ी के काम, फर्नीचर निर्माण, डिज़ाइन और हस्तकला में है, तो Carpentry (Wood Work Skill Course) एक पारंपरिक होते हुए भी आधुनिक और आय-सृजन करने वाला कौशल आधारित कोर्स है। इस कोर्स में वुड कटिंग, फर्नीचर डिजाइन, दरवाजा-खिड़की निर्माण, पॉलिशिंग, मशीन टूल्स का उपयोग, इंटीरियर वर्क आदि का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। आजकल मॉड्यूलर फर्नीचर और इंटीरियर डिजाइन की मांग तेजी से बढ़ रही है।

अर्हता: न्यूनतम 10वीं उत्तीर्ण; रचनात्मकता और हाथ से काम करने की रुचि आवश्यक।

नामांकन प्रक्रिया:

ITI एवं स्किल कोर्स में डायरेक्ट एडमिशन/मेरिट के आधार पर प्रवेश। प्रशिक्षण संबंधी जानकारी के लिए Directorate General of Training – dgt.gov.in तथा Ministry of Skill Development and Entrepreneurship – skillindia.gov.in देखें।

बिहार के प्रमुख सरकारी संस्थान:

राज्य के विभिन्न सरकारी ITI संस्थान

Bihar Skill Development Mission के प्रशिक्षण केंद्र

कोर्स अवधि: 6 माह से 1 वर्ष (सर्टिफिकेट/ITI ट्रेड अनुसार)।

रोजगार की संभावना:

फर्नीचर वर्कशॉप, कंस्ट्रक्शन कंपनियाँ, इंटीरियर डिजाइन फर्म, होटल/ऑफिस मेंटेनेंस। प्रारंभिक आय ₹12,000–25,000 प्रति माह, अनुभव के साथ वृद्धि।

स्व-रोजगार के अवसर:

अपनी फर्नीचर वर्कशॉप, कस्टम फर्नीचर निर्माण, मॉड्यूलर किचन/इंटीरियर कार्य—कम लागत में शुरू कर उच्च आय संभव।

आगे के अवसर:

एडवांस वुड टेक्नोलॉजी, इंटीरियर डिजाइनिंग, कॉन्ट्रैक्टर/सुपरवाइजर के रूप में कार्य, विदेशों में भी अवसर।

वित्तीय सहायता:

कई स्किल कोर्स PMKVY के अंतर्गत निःशुल्क/कम शुल्क में उपलब्ध हैं। बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) से भी सहायता ली जा सकती है। छात्रवृत्ति हेतु National Scholarship Portal – scholarships.gov.in पर आवेदन करें।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप रचनात्मकता के साथ हाथ से काम करना पसंद करते हैं और अपना व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं, तो Carpentry कोर्स आपके लिए एक स्थायी और लाभकारी विकल्प है।

अगले पत्र में – इंटरमीडिएट के बाद : Bachelor in Hotel Management (BHM)। 🏨

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए...!!!

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)
📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080
teachersofbihar@gmail.com
+917250818080
www.teachersofbihar.org